एम. ए. भाग-१

प्रश्नपत्र-1 आधुनिक गद्य (मुख्य एवं गौण विषय के विद्यार्थियों के लिए)

1. **चन्द्रगुप्त** - जयशंकर प्रसाद
2. **कोर्ट मार्शल** - स्वदेश दीपक- राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. **गोदान** - प्रेमचन्द
4. **मानस का हंस** - अमृतलाल नागर, राजपाल एन्ड सन्ज़, दिल्ली
5. **मेरी श्रेष्ठ व्यंग्य रचनाएँ** - हरिशंकर परसाई, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
6. **सदियों से** - राजी सेठ, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर।

संदर्भ ग्रन्थ

1. आँखन देखी - कमला प्रसाद, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. प्रेमचन्द और उनका युग - राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. प्रेमचन्द का पुनर्मूल्यांकन - शंभुनाथ, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
4. हिन्दी उपन्यास - एक अंतर्यात्रा- रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
5. हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष - रामदरश मिश्र, गिरनार प्रकाशन, मेहसाना
6. ऐतिहासिक उपन्यास - सतपाल चुघ
7. अमृतलाल नागर के उपन्यासों का समाजशास्त्रीय अध्ययन - डॉ. नागेश राम त्रिपाठी
8. हिन्दी के जीवनी परक उपन्यास (द्वितीय खंड) - डॉ. नवनीत ठक्कर
9. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन - डॉ. जगन्नाथ प्रसाद शर्मा, सरस्वती मंदिर, वारणासी।
10. कहानी : नयी कहानी - नामवरसिंह

अंक विभाजन

3	व्याख्याएँ	3 x 10	30
2	आलोचनात्मक प्रश्न	2 x 15	30
4	संक्षिप्त प्रश्न	4 x 5	20
20	वस्तुनिष्ठ एवं अति लघूत्तरी प्रश्न	20 x 1	20
		कुल अंक	**100**

प्रश्नपत्र-2 प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य (मुख्य विषय के विद्यार्थियों के लिए)

1. **कबीर बानी :** संपादक भगीरथ मिश्र, कमल प्रकाशन, इंदौर।
   व्याख्या हेतु : साखी - 1 से 100, सबद - 1 से 40 और उलट बाँसी - 41 से 48

2. **भ्रमरगीत सार : सूरदास** - संपादक रामचन्द्र शुक्ल
व्याख्या हेतु पद संख्या : 4, 6, 8, 9, 11, 15 16, 18, 20, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 31, 34, 39, 41, 42, 45, 50, 57, 61, 62, 64, 75, 85, 89, 95, 97, 100, 109, 115, 117, 133, 138, 146, 171, 172, 210, 274, 278, 282, 316, 366, 375, 384 और 400

3. **सुंदरकांड :** गोस्वामी तुलसीदास -
व्याख्या हेतु - समग्र सुंदरकांड

4. **मीराँबाई की पदावली** - संपादक परशुराम चतुर्वेदी
व्याख्या हेतु पद - 1, 3, 7, 8, 14, 18, 20, 23, 24, 25, 26, 30, 31, 32, 33, 35, 36, 43, 44, 46, 53, 58, 61, 64, 66, 67, 70, 72, 74, 76, 80, 84, 87, 92, 103, 108, 114, 118, 137, 143, 154, 171, 175, 177, 181, 182, 189, 193, 195 और 196

5. **रहीम ग्रन्थावली :** संपादक विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
व्याख्या हेतु पद - 1 से 100 तक के दोहे।

6. **संक्षिप्त बिहारी** - संपादक रमाशंकर प्रसाद, इंडियन प्रेस, इलाहाबाद।
व्याख्या हेतु दोहे : 1 से 10, 14, 15, 17 से 23, 28, 29, 32, 33, 35, 36, 38, 39, 40, 42, 44, 51, 53, 54, 57, 60, 62, 64, 65, 66, 67, 72, 74, 76, 78, 80, 81, 91, 95, 97, 105, 109, 110, 111, 112, 114, 119, 121, 122, 123, 130, 131, 132, 139, 145, 146, 147, 150, 154, 157, 165, 168, 170, 178, 181, 183, 185, 188, 189, 190, 191, 194, 197, 198, 200, 201, 203, 204, 212, 213, 215, 216, 217, 218, 221, 222 और 224

संदर्भ ग्रन्थ

1. कबीर : हज़ारीप्रसाद द्विवेदी -
2. सूर मीमांसा : व्रजेश्वर वर्मा।
3. तुलसी - उदयभानु सिंह।
4. मीराँ का काव्य - विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. बिहारी का नया मूल्यांकन - बच्चनसिंह।

अंक विभाजन

3	व्याख्याएं	3 x 10	30
2	आलोचनात्मक प्रश्न	2 x 15	30
4	संक्षिप्त प्रश्न	4 x 5	20
20	वस्तुनिष्ठ एवं अतिलघूत्तरी प्रश्न	20 x 1	20
		कुल अंक	**100**

प्रश्नपत्र-3 **काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन (मुख्य विषय के विद्यार्थियों के लिए)**

पाठ्य विषय :

(क) संस्कृत काव्यशास्त्र -

* **रस सिद्धांत** - रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण और सहृदय की अवधारणा
* **अलंकार सिद्धांत** - मूल स्थापनाएँ और अलंकारों का वर्गीकरण
* **रीति सिद्धांत** - रीति की अवधारणा, काव्य गुण, रीति एवं शैली और रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ
* **वक्रोक्ति सिद्धांत** - वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद और वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद
* **ध्वनि सिद्धांत** - ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत व्यंग्य और चित्रकाव्य।
* **औचित्य सिद्धांत** - प्रमुख स्थापनाएँ और औचित्य का भेद।

(ख) पाश्चात्य काव्यशास्त्र :

* प्लेटो - काव्य सिद्धांत
* अरस्तु - अनुकरण सिद्धांत और त्रासदी (ट्रेजेडी) विवेचन
* लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा
* वड्र्सवर्थ - काव्य भाषा का सिद्धांत
* कॉलरिज - कल्पना सिद्धांत और ललित कल्पना
* टी.एस. इलियट - परम्परा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत,
* वस्तुनिष्ठ समीकरण और संवेदनशीलता का असहचर्य
* आई.ए. रिचड्र्स - रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, और व्यावहारिक आलोचना।
* सिद्धांत और वाद - आभिजात्यवाद, अभिव्यंजनावाद और अस्तित्ववाद
* आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ - संरचनावाद, शैलीविज्ञान, विखंडनवाद और उत्तर आधुनिकतावाद

(ग) हिन्दी कवि - आचार्यों का काव्यशास्त्रीय चिंतन

* लक्षण काव्य - परम्परा एवं कविशिक्षा

(घ) हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

* शास्त्रीय, व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविश्लेषणवादी, सौन्दर्यशास्त्रीय, शैलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय प्रवृत्तियाँ

संदर्भ ग्रन्थ

1. समीक्षालोक - भगीरथ मिश्र
2. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ. भगीरथ मिश्र
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ. निर्मला जैन और कुसुम बोंहिया

अंक विभाजन

1	**संस्कृत काव्य शास्त्र**-आलोचनात्मक प्रश्न	1 x 20	20
1	**पाश्चात्य काव्यशास्त्र** -आलोचनात्मक प्रश्न	1 x 20	20
1	**हिन्दी काव्यशास्त्र एवं हिन्दी आलोचना की प्रवृत्तियाँ**-आलोचनात्मक प्रश्न	1 x 20	20
4	**संस्कृत, पाश्चात्य, हिन्दी, सिद्धांत, प्रवृत्तियाँ एवं वाद** - संक्षिप्त प्रश्न -	4 x 5	20
20	वस्तुनिष्ठ एवं अतिलघूत्तरी प्रश्न	20 x 1	20
		कुल अंक	**100**

प्रश्नपत्र-4 स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास - सन् 1990 तक

(संपूर्ण हिन्दी (Entire Hindi) के विद्यार्थियों के लिए)

↔ **सूचनाएँ :**

1. इतिहास का प्रश्न पत्र होने के कारण किसी प्रवृत्ति या विधा का विकास एवं ऐतिहासिक महत्त्व से संबंधित प्रश्न अपेक्षित है।
2. इतिहास से संबंधित प्रश्नों के उत्तर में पृष्ठभूमि, परिस्थितियाँ, विधा या प्रवृत्ति का अभिप्राय प्रारंभ, नामकरण, अन्य विधा या प्रवृत्ति से अंतर, कथ्य और शिल्पगत विशेषताएँ प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएँ, उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ आदि मुद्दे हो सकते हैं।
3. प्रश्नपत्र को **5 विभागों** में विभाजित किया गया है। प्रश्नपत्र में प्रत्येक विभाग से प्रश्न पूछे जाने चाहिए।

विभाग -1 स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता की प्रवृत्तियाँ :

(क) प्रयोगवाद (ख) नयी कविता
(ग) अकविता (घ) जनवादी या प्रतिबद्ध कविता
(ङ) नवगीत धारा (च) समकालीन हिन्दी कविता और
(छ) खंडकाव्य

विभाग -2 स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास

(क) आँचलिक उपन्यास (ख) मनोवैज्ञानिक उपन्यास
(ग) सामाजिक उपन्यास (घ) ऐतिहासिक उपन्यास और (ङ) लघु उपन्यास

विभाग -3 स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी एकांकी, नाटक एवं आलोचना

(क) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी एकांकी :

* पृष्ठभूमि, नया उन्मेष, रंगचेतना कथ्य एवं शिल्पगत विशेषताएँ, प्रमुख एकांकीकार, उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ।

(ख) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक :

* पृष्ठभूमि, आधुनिक रंगमंच और हिन्दी नाटक, प्रारंभिक प्रयास - अश्क, माथुर के नाटक, मोहन राकेश के नाटक, हिन्दी नाटक में रंगचेतना, अनूदित नाटक - बंगला, मराठी, कन्नड, गुजराती आदि, प्रमुख नाटककार एवं नाटक, देशी-विदेशी नाटककारों एवं नाटकों का हिन्दी नाटक एवं रंगमंच पर प्रभाव, उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ।

1. **प्रयोगशील नाटक :** पृष्ठभूमि, परिस्थितियाँ, प्रयोगशीलता का उन्मेष - कथ्य के संदर्भ में, शिल्प के संदर्भ में, मंच के स्तर पर, प्रमुख प्रयोगशील नाटककार एवं नाटक, शक्ति, सीमाएँ एवं संभावनाएँ।
2. **गीत नाट्य :** पृष्ठभूमि, गीत नाट्य का वैशिष्ट्य, नाटक और गीत नाट्य, रचना, हिन्दी गीत नाट्य एक सर्वेक्षण, प्रमुख हिन्दी गीत नाट्य, उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ।
3. **नुक्कड नाटक :** उद्‌भव एवं विकास, सामाजिक आंदोलन और नुक्कड़ नाटक, नुक्कड नाटक और मंच, नुक्कड नाटक और दर्शक, हिन्दी में नुक्कड नाटक आंदोलन, विशेषताएँ, शक्ति, सीमाएँ एवं संभावनाएँ।

(ग) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी आलोचना :

* हिन्दी आलोचना का उदय - पंडित रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना,
  1. काव्यशास्त्रीय आलोचना
  2. स्वच्छन्दतावादी आलोचना
  3. मार्क्सवादी आलोचना
  4. नयी आलोचना
  5. मनोविश्लेषणात्मक आलोचना
  6. शैली वैज्ञानिक आलोचना
* हिन्दी आलोचना में विचारात्मक संघर्ष का स्वरूप - कविता क्या है, कवि कर्म का स्वरूप, कविता की स्वायत्तता, विचारधारा और साहित्य, परम्परा और प्रतिबद्धता, उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ।

विभाग -4 स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी निबंध, कहानी एवं जीवनीपरक साहित्य

(क) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी निबंध :

1. विचार प्रधान निबंध
2. ललित निबंध
3. हास्य एवं व्यंग्य प्रधान निबंध
4. समीक्षात्मक निबंध

(ख) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी :

हिन्दी कहानी आंदोलन : नयी कहानी, अकहानी, समान्तर कहानी, समकालीन कहानी तथा अन्य कहानी आंदोलन

(ग) जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण-रेखाचित्र।

विभाग -5 गुजरात का स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य

(क) स्वातंत्र्योत्तर काव्य - प्रबंध काव्य, गीत एवं गज़ल, समकालीन बोध और गुजरात की हिन्दी कविता।
(ख) स्वातंत्र्योत्तर उपन्यास साहित्य
(ग) स्वातंत्र्योत्तर कहानी
(घ) स्वातंत्र्योत्तर निबंध साहित्य

संदर्भ ग्रन्थ

1. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चनसिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : संपादक डॉ. नगेन्द्र, मयूर प्रकाशन।
3. द्वितीय महायुद्धोत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास - लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, हिन्दी परिषद, इलाहाबाद
4. गुजरात का स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी लेखन, डॉ.रघुवीर चौधरी, डॉ. आलोक गुप्त

अंक विभाजन

4	आलोचनात्मक प्रश्न	4 x 15	60
4	संक्षिप्त प्रश्न	4 x 5	20
20	वस्तुनिष्ठ एवं अति लघूत्तरी प्रश्न	20 x 1	20
		कुल अंक	**100**